देश को बचाना चाहते हैं उन लोगों को इस सरकार की और इस तहरीक को भरपूर हिमायत करनी चाहिए। ऐसे हालात पैदा हो गए हैं पंजाब में कि 12 अगस्त को बहुत बड़ी तादाद में आतंकवादियों ने तरनतारन में हथियार डाले। चंडीगढ़ में भी चीफ मिनिस्टर के सामने एक बहुत बड़े आतंकवादी ने हथियार डाले। तरनतारन में 72 आतंकवादियों ने हथियार डाले।

जिस बात की तरफ मैं आपकी तवज्जो दिलाना चाहता हूं वह यह है कि जिस दूरदर्शन को इस चीज को मैगनीफाई करना चाहिए था, इस चीज को बढ़ा-चढ़ा कर पेश करना चाहिए था क्योंकि लोग इस बात से मुतासिर हों कि आज आतंकवादियों के हौसले पस्त हो चुके हैं उन्होंने इसको बढ़ा-चढ़ा कर करने के बजाय 14 अगस्त को जो दूरदर्शन का बुलेटिन जालंधर केंद्र से पंजाबी में साढ़े सात बजे आता है उस बुलेटिन में इस सरेंडर का मजाक उड़ाया गया और उन लोगों का बयान बढ़ा चढ़ा कर सुनाया गया जिनका पंजाब की सियासत में कोई दर्जा नहीं है। उनको ऐसे पेश किया गया जैसे कि ये सरेंडर स्टेज मैनेज्ड हो। मुझे मीडिया की आजादी का ख्याल है लेकिन जब देश की आजादी का सवाल हो तो मीडिया की आजादी दूसरे नम्बर पर होनी चाहिए। मैं आपको यकीन के साथ कहना चाहता हूं कि जिन मिलिटेंस। ने सरेंडर किया है वे बड़े मिलिटेंट्स हैं। इस सरेंडर की जिन लोगों का नाम लेकर दूरदर्शन ने मैगनीफाई करने की बजाय इस इवेन्ट को कम करने की कोशिश की उसने नेशनल इंटरेस्ट को बिल्कुल सामने नहीं रखा। इसके अलावा जब 12 तारीख को यह सरेंडर हुआ तो पंजाब गवर्नमेंट ने दूरदर्शन को उसका वीडियो भेजा, चंडीगढ़ में जो मिलिटेंट्स ने सरेंडर किया था और तरन-तारन में सरेंडर किया था। लेकिन दिल्ली में हमारा जो पब्लिक रिलेशन डिपार्टमेंट है उसने दूरदर्शन को यह सारा रिकार्ड, न्यूज रिपोर्ट, उसकी विजुअल रिपोर्ट, वीडियो रिपोर्ट समय पर दे दी लेकिन किस तरीके से इसको पेश किया गया यह आप को बताना चाहता हूं। 8.40 के बुलेटिन में जो न्यूज दी गई वह चंडीगढ़ की दी गई लेकिन जो विजुअल रिकार्डिंग दिखाई गई वह तरनतारन की दिखाई गई। बजाय इस सरेंडर को एक अच्छे ढंग से पुट करके लोगों में हौसले पैदा करने बल्कि एक केजुअल तरीके से उसको दिखाया गया, जैसा मैंने अभी आप से जिक्र किया कि खबरें कहीं की और विजुअल कहीं का। इससे दूरदर्शन ने कोई कौम की सेवा नहीं की। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह अर्ज कहना चाहता हूं कि मीडिया का इस्तेमाल इस देश की इंटेग्रिटी के लिए जो पंजाब में लड़ाई लड़ी जा रही है उसको बेहतर तरीके से पेश करने के लिए होना चाहिए।

Need to Expedite Construction of Railway Underbridge at Etawah (U.P.)

श्री राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) : मान्यवर, मैं आपके माध्यम से केंद्रीय सरकार का ध्यान उत्तर प्रदेश के इटावा नगर के लोगों की एक गम्भीर समस्या की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं।

मान्यवर, इसके पहले जब माननीय चन्द्रशेखर जी की सरकार थी तो तत्कालीन केन्द्रीय रेल मंत्री श्री जनेश्वर जी ने एक रेलवे अन्डर ब्रिज का शिलान्यास इटावा में किया था और वह इतना आवश्यक था कि बहुत लम्बे अर्से से... (**व्यवधान**)

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Mr. Vice-Chairman, Sir, Shrimati Alva was to respond to the issue of Mr. Win Chandha which we had raised yesterday. I would like to know in what manner and at what time this response will come forth.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH): You take your seat. I cannot dictate to her. She is present here. You have already made this point several times and she is here. I do not want to say anything more.

SHRI S. JAIPAL REDDY: After Mr. Yadav finishes.

THE VICE-CHAIRMAN: You have already mentioned it several times. I want to tell you that she is here. This is my observation and nothing more. Mr. Yadav, please continue.

श्री राम गोपाल यादव : मान्यवर, मैं यह कह रहा था कि उस वक्त रेल मंत्री जी ने रेलवे अन्डर ब्रिज का शिलान्यास किया था और हिन्दुस्तान के रेल मंत्रालय के बहुत बड़े अधिकारी उस समारोह में.. **(व्यवधान)**।

SHRI S. JAIPAL REDDY: Mr. Vice-Chairman, she is leaving the House.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS (SHRIMATI MARGARET ALVA): I am coming back.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SHANKAR DAYAL SINGH): It does not add to the prestige of the House that you should say that she is leaving.

श्री राम गोपाल यादव : रेल मंत्रालय के बहुत बड़े अधिकारियों ने समारोह में जनता की मांग पर यह डिक्लेयर किया था कि यह पुल एक साल के अन्दर बनकर तैयार हो जाएगा। इटावा नगर के दक्षिण और पूर्व में जमुना नदी बहती है। इसलिए उसका प्रसार उत्तर प्रदेश और पश्चिम की तरफ हो रहा है और जब प्रसार हुआ है तो उसमें लगभग 25 हजार की आबादी मुख्य नगर और रेलवे लाइनों की दूसरी तरफ है और सात स्कूल कालेजज मुख्य नगर की तरफ हैं। सबसे बड़ा संकट तब होता है जब सर्दियों में छोटे छोटे बच्चे जो नरसरी और के.जी. क्लासेज में पढ़ते हैं उनको 7 बजे स्कूल में जाना होता है, लेकिन रेलवे फाटक प्रमुख रेलवे लाईन पर होने के कारण एक एक घंटे तक बंद रहता है। इस लिहाज से बच्चों को सुबह सर्दियों के 6 बजे तैयार करना होता है क्योंकि हो सकता है कि फाटक पर एक घंटा रुकना पड़े। मैनपुरी और फर्रुखाबाद से आने वाले लोगों को प्रति दिन इसी तरह बहुत जबरदस्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन जिलों और इटावा जिले के जिन लोगों को ग्वालियर और भिण्ड की तरफ जाना होता है उनको भी इसी रास्ते से होकर जाना पड़ता है। इसलिए यह आवश्यक समझा गया था कि पूरा सर्वे करने के बाद और बहुत वर्षों से इसकी मांग भी थी और उस मांग को पूरा करते हुए इस अन्डर ब्रिज को बनाने की स्वीकृति केन्द्रीय सरकार द्वारा दी गई थी और उसी के आधार पर उसका शिलान्यास किया गया था।

महोदय, एक बहुत बड़ी समस्या यह भी है कि इटावा की गल्ला मंडी और फल मंडी जो हैं वे भी रेलवे लाइन की दूसरी तरफ पड़ती हैं। सुबह और शाम को मीलों लम्बी लाइनें ट्रकों और ट्रेक्टरों की लग जाती हैं। नेशनल हाईवे नगर से लगा हुआ है और इस पर ट्रेफिक जाम हो जाता है। इन तमाम मुसीबतों से बचने के लिए केन्द्रीय सरकार की तरफ से एक पहल की गई थी। मुझे बहुत अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि जिन अधिकारियों ने यह कहा था कि यह एक वर्ष के अन्दर बन कर तैयार हो जाएगा, वह एक वर्ष की अवधि भी बीत गई है और कार्य आरम्भ भी नहीं हुआ है। सरकार अगर बदलती है तो जो छोटे-छोटे जन कल्याणकारी कार्य हैं उनको लेकर लोगों की नीति और नियत में परिवर्तन नहीं होना चाहिए, इसी तरफ मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं आपके माध्यम से। धन्यवाद।

Disturbing reports about India's willingness to accept permanent partition of Kashmir and open its secret military installations to foreign observers

श्री कृष्ण लाल शर्मा : (हिमाचल प्रदेश) उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन और सरकार का ध्यान एक और, विषय की ओर खिलाना चाहता हूं। महोदय अभी एक विदेशी पत्र में यह खबर छपी है, जिसमें यह कहा गया है कि भारत सरकार कश्मीर का स्थायी विभाजन करने के लिये तयार है और भारत सरकार ने जो उसके गोपनीय निक संस्थान